Naidunia (Indore), 28th February 2025, Naidunia City, Page- IV

एआइ-एमएल और रोबोटिक्स में नवाचार कर सकेंगे विद्यार्थी

शहर में बेहतर अवसर ● सिंहासा में 10 हजार वर्गफीट में बनेगा इन्क्यूबेशन सेंटर

भरत मानघन्या ● नईदुनिया

इंदौर : शहर में इनक्यूबेटर्स और विद्यार्थियों को विभिन्न डीपटेक क्षेत्रों में रिसर्च करने और स्टार्टअप शुरू करने के लिए मजबूत इकोसिस्टम मिलेगा। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन (एमपीएसईडीसी) और आइआइटी इंदौर सिंहासा में 10 हजार वर्गफीट का इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू करने जा रहे हैं। छह माह में यह सेंटर तैयार हो जाएगा। इसमें इनक्यूबेटर्स और विद्यार्थी न सिर्फ नवाचार कर सकेंगे, बल्कि उन्हें स्टार्टअप शुरू करने में तकनीकी सहायता और मेंटरशिप भी दी जाएगी।

इन्क्यूबेशन सेंटर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। यहां हाई एंड प्रोटोटाइप लैब, हाई एंड सिस्टम और क्लाउड सर्वर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। कुल 10 हजार वर्गफीट में से पांच हजार वर्गफीट स्थान को-वर्किंग स्पेस के तौर पर उपयोग होगा। शेष पांच हजार वर्गफीट में प्रोटोटाइप लैब बनाई जाएगी। यहां स्टार्टअप न सिर्फ अपने उत्पादों, बल्कि गुणवत्ता की भी जांच कर सकेंगे। वहीं, संबंधित उत्पाद कितने लंबे समय तक काम करेगा, इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इंडस्ट्री के माध्यम से भी वे उत्पादों को मान्य करवा सकेंगे।

दो वर्ष में बाहर जाने का विकल्प : इन्क्यूबेशन सेंटर से सात वर्ष में करीब 100 स्टार्टअप शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कोवर्किंग स्पेस में पहले वर्ष में 30-40 सीटों के साथ शुरुआत होगी। वहीं, दूसरे वर्ष में सीटों की संख्या 50 से अधिक की जाएगी और तीसरे वर्ष में सीटों को बढ़ाकर करीब 120 किया जाएगा। स्टार्टअप के पास यह विकल्प होगा कि वे यहां से दो साल बाद एग्जिट कर सकते हैं और अन्य स्थान पर कंपनी शुरू कर सकते हैं।

एमओयू के अंतर्गत होगा कार्य : इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एमपीएसईडीसी और आइआइटी इंदौर के आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के बीच एमओयू साइन किया गया है। इसके अंतर्गत आइटी पार्क में बनी इमारत की चौथी मंजिल पर इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए जगह दी गई है।

छह माह में सेंटर तैयार करने के बाद स्टार्टअप के लिए आवेदन बुलवाना शुरू कर दिए जाएंगे। यहां देश के किसी भी क्षेत्र के स्टार्टअप आवेदन कर सकते हैं।

सिंहासा स्थित आइटी पार्क में बनेगा इन्क्यूबेशन सेंटर। ● सौजन्य

एमओयू के दौरान एमपीएसइडीसी और आइआइटी इंदौर के अधिकारी । ● सौजन्य

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा

इन्क्यूबेशन सेंटर में स्टार्टअप को एक ही छत के नीचे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा। आइआइटी इंदौर के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ इनक्यूबेटर्स प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, एमपीएसईडीसी के माध्यम से उन्हें राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें यहां ईआइआर, सीड फंड जैसी योजनाएं और विभिन्न ग्रांट भी मिलेंगी। यहां इंडस्ट्री से अनुदान, इक्विटी या अन्य निवेश साधनों के माध्यम से आर्थिक सहायता भी मिल सकेगी।

खास बातें

- सेंटर में गवर्निंग काउंसिल व इन्वेस्टमेंट कमेटी होगी गठित
- एमपीएसईडीसी और आइआइटी को मिलेगा बराबर प्रतिनिधित्व
- इन्वेस्टमेंट कमेटी फंडिंग निर्णय और संसाधनों के उचित उपयोग पर करेगी निर्णय

> इस साझेदारी से मध्य प्रदेश के युवा उद्यमियों को तकनीकी और आर्थिक सहयोग मिलेगा, जिससे प्रदेश एक प्रमुख टेक डेस्टिनेशन बनने की ओर अग्रसर होगा। मध्य प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। साथ ही तकनीकी नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा।
>
> –वैभव जैन, टेक्नीकल आफिसर, आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन

इन क्षेत्रों में कर सकेंगे कार्य

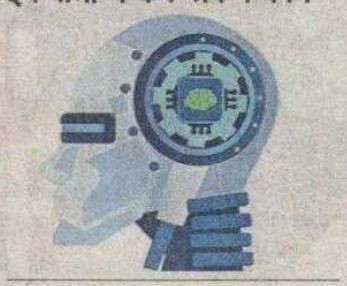

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- मशीन लर्निंग
- रोबोटिक्स
- डिजिटल हेल्थकेयर
- इलेक्ट्रानिक्स
- आइटीईएस सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं
- ईएसडीएम इलेक्ट्रानिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण ।